अपराधमुल नोर्व

रागम्: रसाळि ताळम्: आदि

(श्री त्यागराज विरचित)

पल्लवि

अपराधमुल नोर्व समयमु
कृप जूडुमु घनमैन ना

अनुपल्लवि

चपल चित्तुडै मनसेरुगक ने
जालि बेट्टु कोनि मोरलनिडु

चरणम्

सकल लोकुल फलाफलमुलेरिगि
संरक्षिञ्चु नुन्डग नन्
नोकनि ब्रोव तेलिय कीर्तनशतक
मोनर्चु कोन्न त्यागराजुनि

◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇ ◇